

श्रीमत्सत्याबासलयायनथसदलित

आशासनाय

936

ASHA ARCHIVES

ॐ हस्ति पिशा चि स्वाहा

मं हस्ति रूपी पिशा चि स्वाहा

थसाधुके सनन्यं म्वक लोत्री ॥ नानायली नभा सुन अस्मा
गादि ह नवाय ४ अस्मा वि का ग नादि ०० ति द द्या अ द्यवा
अस्मा ॥ ॥

१॥ म स्या बा म ल य य ग थ म र लि म र



मौनमन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते ॥

रुद्रं नमो हनुमन्महार्कं नवाय ॥ ॥ हं हं दयाय नमः ॥ नानम
वाले प्रागीयाकवलिवियविधिध्या ॥ ॥ वलियाकजथायलय ॥ ग्व
दहूकूम्रुस्वना ॥ थिसन्यासाचम्यनयूजायाय ॥ ॥ अमूकका
म्ययासर्वप्रागसंहात्रय ॥ ॐ दं मयायूष्यधूपदीपयूजावलि
ॐ हं १ हं १ रुद्रं १ नमस्वाहा ॥ हनुर्हं नवाय वलिं गृह्ण १ स्वाहा
॥ जननं अमूकस्य प्रागविना सय १ वलिं गृह्ण १ हं १ रुद्रं १ रुद्रं
स्वाहा ॥ महिलसा ॥ जाययाय ॥ ॐ हं हं हनुर्हं नवाय ॥ दानं

५

[illegible]

म०१॥ यत्ता सनायलिष्ठं प्रयत्नालिष्ठं नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥
रुद्रस्वाहा ॥ धूलं नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥
नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥ नमोस्तुते ॥
ॐ नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥ ॐ नमोस्तुते ॥
कामि ॥ सगं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥
रुद्रं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥ थलं नमोस्तुते ॥
पंचत्रयं नमोस्तुते ॥ कडुदिनं नमोस्तुते ॥ ललाटी नमोस्तुते ॥ धूलं नमोस्तुते ॥ धूलं नमोस्तुते ॥

ननवाचक्रय॥ दानम्यचक्रय॥ यालूनक्रसठासूयक॥ हामलनभा
 दसहाय॥ ग्वद२हलथेदनमिखाचक्रय॥ कक्षुयेगाकानसूयक॥
 यंचयनाकास्वाय॥ हाकूकोकायदनरूयक॥ ॥ कथोल३५
 थननवालयान५दयक॥ य३५वलिवीय॥ गगनयारू३५सया
 न११॥ जवलासयान११॥ खवलासयान११॥ जव७सयान११॥
 खव७सयान११॥ म्वा१॥ मा१॥ ला७॥ स३५॥ स३५॥ ध३५॥ ना
 य३५॥ ना३५॥ ज३५॥ म३५॥ ध३५॥ न३५॥ ल३५॥ सि३५॥ न३५॥ व३५॥ ग्व३५॥ द३५॥ क्रि३५॥ व३५॥

मन्त्र

माधवज्ञे ॥ यंच सुप्रकाशकाखायकं हि न ॥ अथ नवलिया न कंकुद
नयाल न यज्ञाविधि ॥ असनद्वयगिनियान ॥ गवद नूलिल कससिद्ध
मद्ययाग जलयाग रुदयाग खोला माल ॥ दानयायकं लेखन
॥ ॥ जिनशोलस्वान ॥ अरुलागिस्वान ॥ कनवलस्वान ॥ ॥
हिनाथ यूढमाधवा ॥ कालागवीहि ॥ श्रीखलुधिया ॥ मृगमान्मरुकि ॥
यूलदक्रुष्ण ॥ यंच यलंन्द ॥ यायस ॥ नलिकालरुल ॥ नकिलयूल्
लक्रागाय ॥ ॥ गंगसयज्ञायाय ॥ स्याथियूष्य राजनं नम ॥

उन्नमस्काल ॥ गंगान्यास ॥ ॐ नूक्त रुद्र स्वयिय ॥ यवग असन
॥ ॐ यद्मासनाय नम ॥ ॐ अलिखुनिवाननाय नम ॥ स्वान वदुदा
ववाय ॥ ॐ नमो स्वयीवाय जाकीकुं अत्मनक ॥ स्वाहा ॥ धमस्वा
न वक्रय ॥ ॥ न्यासयाय ॥ ॐ क्वं वदु यं जलं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ च
लमकुलं कीनम स्वाहा ॥ ॐ स्वयीवकी अम्माय नम स्वाहा ॥ ॐ
अगु वयनम ॥ स्वगकुं न्याय नम स्वाहा ॥ ग्री मधमाय वीषट ॥
त्री अनामिकाय दू ॥ वं कनि वयव वट्ट की अम्माय रुद्र ॥ कृणाक्री

दिव्यजनं ॥ अर्धविन्दुप्रियंदत्वा ॥ ॥ ननायंचवलिंदद्यत ॥ ॐ लूं गं हूं
 वयनय अमकस्य सार्निकं नूर अलिख विष्नी नासाय वलिं ४ गं द्वा २
 द्वां रुं नमस्वाहा ॥ उवला सविय ॥ ॥ ॐ वूं वं वं कना थय अमक
 स्य सार्निकं नूर अलिख विष्नी नासाय वलिं ४ गं द्वा २ द्वां रुं नमस्वाहा
 ॥ खवला सविय ॥ ॥ ॐ कूं कयया लाय अमकस्य सार्निकं नूर अ
 लिख विष्नी नासाय वलिं ४ गं द्वा २ द्वां रुं नमस्वाहा ॥ भाद सविय ॥
 ॐ दूयाग्नि स्य अमकस्य सार्निकं नूर अलिख विष्नी नासाय वलिं ४ गं

द्वा २ द्वां रुं नमस्वाहा ॥ उवला सविय ॥ ॥ ॐ वूं वामूर्ध्नाय अमकस्य
 सार्निकं नूर अलिख विष्नी नासाय वलिं ४ गं द्वा २ द्वां रुं नमस्वाहा ॥
 खवला सविय ॥ ॥ नना सग नयूजा ॥ न्या सयाय ॥ ॥ ॐ अकच
 ठन यय ४ ॥ अस्काय रुं नमस्वाहा ॥ ॥ ॐ धूं धजाय गिन स्य
 यादू कां यूजया मिनम ॥ १ ॥ ॐ धूं धमाय लला धूं ठ यादू कां यूजया
 मिनम ॥ २ ॥ ॐ मिं मिं धाय धूं मूख यादू कां यूजया मिनम ॥ ३ ॥
 ॐ मूं स्वानायक धूं थ यादू कां यूजया मिनम ॥ ४ ॥ ॐ धूं वृषाय

रहव प्रकालर प्रवायनमा ॥ ओं श्रीं क्लीं च सों हूं क्लीं हूं नूद मागड़ी
 ली युवि स्य २ आवं सय २ रिं लाऊन सु धा नमम ४ मनु भी ची लू चक्र
 सस्काग्नी हि चान सव्वदू ४ नासय २ रुन २ दह २ धम २ दास २ मा
 प्रय २ सव्व लाग ४ विना सय २ नूद चा लु नी दू दू दू दू दू दू दू
 डी दू रुट नम स्वा हा ॥ ॐ निस्मसान वलि ला गिया नसान ४ ॥
 रसावू यिक सायूल रु ४ यू दा ४ वल सि चाल या धु ल वि या
 वस मिल ल प ल न क स न क ४ सा न लो ग ना स र ख ऊ ड ॥

रुगा कि मि हा रु ल स चि कू ग १ ग सं रु दि चि न न क भान क सदा का
 ल स चि कू डा व लाग ना स ॥ १ ॥ रुं स या ल हा दि दं भा द स नू ग ल स
 च स ४ या दं भा दं स निया ग ऊ ल ना स ॥ २ ॥ अ स्व ग न्ध रु क जिल स
 मू द रु ल क चि रु ल दि क चि आ ल रु ल द म ल च क्रा स खा ला प्र १ क
 य वं क न म स ४ ग ग न सा यून या य वा य थ नं द्र स कि न ऊ ल या
 स म स क कू या ना स ॥ ३ ॥ ग न्ध क रु द रु ध क स्वा न हा य १ सा यून थ
 स न मा र्ग स ड ले अ ल स क कि स आं पां ल व या ना स ॥ ४ ॥ ग रु च ऊ

लसिमलचसधूनयमसवालरुकजिलअलदयूरुलचकल
 हाकूयनसवालचिगकहायिनलिपिचनीवावुनढजासालूयाहियू
 चसाखान्धगिरागनदिढंधूनिमालगवुसथनहिविकमचा
 कोदयू॥८॥खयलवचकाया१कवि१हाजिमादगधगिनिस्थमि
 रुसवूलजानिसथनमिहिनया॥९॥ॐॐययलकाकयरुलू
 गवाययलकहादिथूलषयलधगिनिढंयायदिन१लकमल
 या॥१॥यावाग्रमलचयमसवालरुकजिलहिकनवालचिगख

रुकदधनया

नमलचधगिसमरागनचूर्णयाढंलंखस२०संभानकंनकथयढ
 या॥१०॥गायुरवायलगायूमलचरुकजिलॐमूनचाकनरा
 धगिनाचूर्णयाढंकाकलंषस२०यावभानकंनऊसत्राक्षिय॥
 लवढजिन२०लकुसाहादखुढंनकंवालकयाकिमिया॥
 ॥ॐॐरुनथकथागवत्रकनोहृस्वाहा॥धल॥मसमच्चिढ
 याखाललाययाखुनिधकयादूदूमविवयामरुलववयाय
 चसवलसवालनिसकाढंभानकंस्वहा॥१॥ॐकालनथव

खालभयया

कालपुरुषकोनमत्र

नृप
वृत्त
न

हि
य

ननं नम ॥ धाल १०६ ॥ जय न काल पुरख वाढं नारु हानिया स्वया ॥
१ ॥ छं दूं दूं दूं अलिं लीं अम नयां स्वाहा ॥ धाल ७ ॥ जय लय नय नानं
स गाल नथ ॥ २ ॥ छं ड नावा ड विं व नावा व विं नि नावा नि विं खा नावा
खा विं ड लां जा विं ऊ नावा धू ना विं रुं ॥ धाल ७ ॥ य हा ल न गाल न
॥ ७ ॥ छं न म ग न न र्गं न क क ग्व मू नू र्ग म म दूं स्वाहा ॥ धाल ७ ॥ हि
द्विय म लु थ ॥ ८ ॥ छं ण ना क या थ ना ष्व ण ना क या हा ना ष्व ण ना क या
ष्व स्य अऊ ना ना क या ध्या ॥ कृ कृ थाला कृ अ या ला ना क या थाला वूं

भा
सा
पा
सा
साम
विक
गान
या

॥ धाल ७ ॥ थ म नु न हि द्विया ॥ ९ ॥ छं म णि ला णी ला काम ना कृ दय दूं रु
दूं ॥ धाल ७ ॥ भा द स्या क या पू या ॥ १० ॥ छं ण नि मू ख लु यो दूं दूं रुं रुं स्वा
हा ॥ धाल ७ ॥ ध्या थ स्या क या पू या ॥ ११ ॥ छं वि कू ख लय न क ख लय या
धि ख लय व ना य ख लय हा थ ख लय मू ख ख लय दूं रुं ॥ धाल
७ ॥ सा द्म वि क या का या ॥ १२ ॥ छं व ड या णि ऊ कृ स्य ना य न य अ व न क
स्वा हा ॥ धाल ७ ॥ त्या नू या वि क न न वू या ॥ १३ ॥ छं थूं थूं थूं मि मि णि णि
क्रा क्रो ४ क्रो या क्रा या स्या नि रुं ॥ धाल ७ ॥ रुं रुं काल वि स्यं रुं रुं

कृतासु कृशिवृत्त्याहावत्तुखनरुतयिय, कापनसुथासुचिरी काकंडभ, कयतासुसुयागडा ॥ ॥
 जलमायाशात्रा, भामदास, गुनाडाहय, ग्रासधिकथ, सुचिय, ग्रासत्रयियाप्रधिकथ ॥ ॥
 ग्रासधिकया

रमंश्रुविक्रमां मंश्रुं श्रुचून मंश्रु विडियाचून भाला १ चिनी साव लसत्रालं न
कंरुषमदाया निखामदया दयक ॥ १ ॥ अथो लदक काल मलच यलय
धर्गं समलग्न चून कस्मिन् वालन कं अम्व लयी गय गिना स ॥ २ ॥ श्रीमहा
गं लन वां यकं समस्त वाकं सुगिका रुसन स्या काला डा ॥ ३ ॥ अल सवां
कचिन्वाच कुसाहा धर्गं समलग्न चून वाकं सदा षट् नकं सुगिका वाग रु
सना स ॥ ४ ॥ हंस यागं च लाल म् कल ऊयु धर्गं समलग्न चून स्ववूढं वां य
कं नकं वाग यारि ॥ ५ ॥ स्ववाच ल मलच ग्व १ नया या नसन गिनी याय

शालुग

दिनग्यालडाडालाल॥३॥ लडाळ जिठरुल सालयस्वक यिपील
ॐमूनवदवि समूद्ररुल रुलद वंरुलद मलच हिळ वंरुगवक
ल अलस विजीया वाग पीग रुस सुगिका याथ स्याक मिसायाग विय
रुल साग्व उ मदन रुलगय धर्ग वूनयाळ नकं रुवमद्यया कं दः
मदन साथ नाथ नकवल किमाल अनूयान दूदूगान ॥ १ ॥ यिमूनव
दा वंदवि हिळ अनस सालयस्वक कावि रुलद धर्ग समरागन वून
याळ नकं नास्वलदयकयागथा ॥ ४ ॥ सूत्रासिकुगकं निमिलनागनाम

रुस
दयक

सासहि नक

॥ २ ॥ लीहामाल धन रूगयु येथान कूक नास ॥ १० ॥ उगिया मलचथ
नचूर्णयाळ सायल सवल वूयक चासूक कु नास ॥ ११ ॥ ॥ उंनम
सिद्धि रुतू आह्ला ॥ ध १०० कय स्वाहा ॥ ध १०० मित्र स्वाहा ॥ ध १०० कय
थग नू उ स्वाहा ॥ ध १०० नाय धाका कथा सला हागन ऊाळ रादल यरु
नकाव कं सा दूदू स वालं यि सां हा लं ॥ स्वसु ॥ उं नित्र १० स्वाहा ॥ ६ काय ॥
अहिमू वदियाल हा समूद्ररुल थस चूर्णयाळ दूदू स रूग स्यंत नं का
मू ॥ १२ ॥ उं नामदू गीथे दू रू ॥ ध १०० विया अकू ग मलुन कूक नागी

वास
कयि
नाय
हाक
या

सागियाग

REINHOLD WISE

936

1812-1813

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धूलिनक्षत्रलवाव(थ)कलषसविचालुल्लाढावखिचावाव(थ)ॐ मा
लुल्लाढावॐ मावाव(थ)रुतुल्लाढावरुतुवाव(थ)रुनिवखिचाव
खडा(थ)नामनिष्कसंकास्यचंगवास्यमनवास्य(ॐ)यनिमायम
यस्य(थ)तुलग(थ)मूलम्(थ)विचालमिविलदनम्(थ)विचाल
मिविलदददूयाय॥ धालन॥ तुलयाविथागध॥ ७ ॥ सिद्धिगुत्र
आग्नावाकातुल्ल्याआग्नावडाआगिन्याआग्नाविआग्नालीदवीया
आग्नाॐ मॐ नतुल्ल्याआग्ना॥ मिक्तिगिसिद्धवगल्यावागिसिद्धव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कोलातुविगिसिद्धवयत्रमॐ श्रीयाधनिसंआग्ना॥ चंगसुगमभाया
वमनसगमभायावनुगलसगमभायावधनस्यनिस्यसंखुदुदन
कल्याढाव(ॐ)नगियाक(ॐ)नमनमदस्य(ॐ)क(ॐ)तुल्लवददूयाय॥ ८
॥ धालन॥ कुटुलेचिकुटुषलिवगआयूग्य(ॐ)काग्य(ॐ)यकाग्य(ॐ)
आखेग(थ)ननामकोसेविनाजालसमूर्यक(ॐ)विआगध॥ ९ ॥ (ॐ)न
महत्रसिद्धिगुत्रआग्ना॥ ८ रुत्रिमन्त्रे(ॐ)नआग्ना॥ आकाशवाधयया
शवाधयआलसिवाधयपूत्रसिवाधयसासवाधयनन्दवाधय

ॐ नमः॥ ॥ अथ श्रीह्रीं क्लीं ॥ लिखान्यमयं यातुं हि नृप्यगर्हसं द्रु
 कौशिकी नयः क्लीं पाण्डुरस्यं संयुक्तं ॥ ॥ अथ नवनवाङ्क ॥ ॥
 नक्तं वृषः ॥ ॐ धर्मस्त्वं वृषः नृपयः ॥ जगदीश नन्दका नक्तः ॥ अष्टमस्तु न
 धिष्ठानमगः ॥ किंययच्छमं ॥ ॥ नक्तं सूर्यया ॥ हि नृप्यगर्हगर्हस्त्वं
 रुमवीज विरावसाः ॥ अनक्तं यथैरुलदमगः ॥ किंययच्छमं ॥ ॥
 यीनसूर्यया ॥ यीनवसुं यूगं यस्मात्वा सुदवस्य वल्लरुः ॥ यदाना रुत्स्यम
 विष्णुमगः ॥ किंययच्छमं ॥ ॥ ऊववीहि अष्ट ॥ विष्णुस्त्वमष्टनृपासी

यस्मादमग संरुवः ॥ चत्वारिंशद्वा रुनानि स्यमगः ॥ किंययच्छमं ॥ ॥ कन
 ववीहि ॥ कृष्णश्च नृ ॥ गवामंग वृनि सुं गि रुव नानि चतुर्दश ॥ यस्मात् हि
 स्मा क्त्रियं भस्यादिह लाकं यत्र यव ॥ यस्मात्स्त्वं यथि वी सर्वधनं कक्षावस
 नित्यं ॥ सर्वया यदुना गावः सुस्मा ॥ किंययच्छमं ॥ ॥ मा सवीही रवद
 ॥ यस्माद्गुम्मा धि कस्मा विगवा धिनानि सर्वगः ॥ रवज्ञस्त्वं लाङ्गलादिनीन
 स्मा ॥ किंययच्छमं ॥ ॥ कालमा सवीहि विविण्छाग ॥ यस्मात्स्त्वं सर्व
 यज्ञानां मङ्गलं नव्यवस्तिना ॥ यानं विरावसानि स्यमगः ॥ किंययच्छ

म॥ ॥ कालाग्वीहिसर्वादाना॥ यस्मादष्टन्यन्यनं कंठवस्यति व
स्यति वस्यतः ॥ अथाममाष्टन्यास्तु दूर्गा उन्मनि उन्मनि ॥ ॥ अथ
दानवास्तु दूर्गादानं ॥ ॥ अथ यागजलनयउमानारिषक
न्दनसिन्धुप्रसाहिर्विद ॥ दंखायिंखाच्छाया ॥ ॥ धनवास्तु दूर्गा
वलिहोला धास्यंगारथमाला ॥ ॥ गीयहावनविधिः ॥ ॥ स्वानवा
लदाना ॥ अलिधनमयं यागं दिनव्यगर्हसंयुगं ॥ अदिह्ययीयनस्य
यमारुवतुष्टानिकी ॥ ॥ उददानयलका ॥ वद्यलानिचगामानिद्याद

॥ गुरुयुजिगं ॥ अंगलपीयनस्य वां यमारुवतुष्टानिकी ॥ ॥ अथ
हिलचकि ॥ ॥ दंयवमयं यागं दिनव्यगर्हसंयुगं ॥ अदिह्ययीयनस्य
वां यमारुवतुष्टानिकी ॥ ॥ मासलोहदानं ॥ मासलोहसमायुक्तं दिन
व्यगर्हसंयुगं ॥ कालस्तु पीयनस्य वां यमारुवतुष्टानिकी ॥ ॥ सूर्य
वित्पूयवाक् ॥ कनकनविर्हसूर्यविम्बाविम्बाणिमान्निमधूयत्रियूर्ह
नामयाणान्नस्तु ॥ अथुष्टकसमस्तुष्टनात्रयदवहताहननिदूत्रि
गच्छनाहनात्यअहनी ॥ ॥ वद्यविम्बुशयूरामलडाहाचकिवाक् ॥

नऊनद्यमिगचल्यविम्वविम्वानूमानंणिमधूपत्रियूर्धुकांसयागान्ननस्कं॥
 सिगकसूमणरुष्टनाच्चयदवदुगाहननिदूत्रिमिन्दूध्यत्यविम्वद
 दगि॥ ॥ गुणधनूवाक्॥ गुणधनूवाक्॥ गुणधनूवाक्॥ गुणधनूवाक्॥ गुणधनूवाक्॥
 च्चाद्यवसेः॥ अंगान्त्रयीयनद्विऊयदहं संयापिचात्राग्रसमागत॥
 ॥ ॥ विदानवाक्॥ गानानिधन॥ न्यर्थस्वर्गगर्गनिलेःसहा॥
 नवसेः॥ सच्चनयदहं वदविदिजा॥ ॐ दलानमयंयाजं द्विऊत्यः॥
 समाहितः॥ यननिगानका॥ नित्तस्मा॥ नित्तस्मा॥ नित्तस्मा॥ ॥ यममू

लिङ्गसदनदयकं वाङ्मयं यथायाय ॥ ॥ ॐ स्वादि लोक लोकाया लानां
जात्राजमदिषीष्टुणामदिषीदानधर्मस्य सर्वकामरुलेयदा ॥ धर्मना
जसहायार्थं यथात्युपयुक्तिस्त्रिगंशमदिषासूनस्यजननीसदासुवन
दामम ॥ मंसदानयावाङ्म ॥ ॥ यत्रनिदाना ॥ आललासाभाददाममाद
दयकं विस्वरूपा नभूथवारुं ॥ द्विनः कलूथयदुलथदनमिवाङ्कयल्
गर्वसथूनं मंसउभूथवामंसभूयथासाधार्थमरुवार्थलाकूकायउन
यायावचन्दनसिन्दूरयजमस्वानलाकूगंनेयथ ॥ वाङ्मयं र्म आङ्काद

दनहाकूदकि०॥म्वउनयदयकंगय,यूजानात्राय०त्वं,मूलनयनम
 यूलूसा॥ ॥ॐक्रीजनेति१२ॐनमः०॥मृवायच॥ॐवक्ष्ययज्ञानं॥ॐः
 हिनद्व्यगुर्व॥यायसा॥ ॥ॐदंलानमयंयायं॥अर्थायनददामिचः॥
 उयसयनिययीजलवनंयुनिगृह्णतां॥लवनंविष्कूदवस्यः॥युनिगृह्णतां
 द्विजार्कमः॥सहिनद्व्यगुर्व॥यज्ञयविष्कूदवगा॥ॐर्यययूत्रया
 कृत्यं॥सूयीताकामदेवगाः॥देवादेत्यास्तथानागास्तृयन्तांमनत्राजनाः
 हनयंगयि०वानां॥लवनामानूषाजनाः॥ममदूत्रिगकृत्यार्थयलव

दशरूपस्य दातुमं॥ दशरूपं लवनयुक्तं सत्कृतं नृपमवचः॥ सहिनर्ध
 यस्तं मत्स्यं यवनयुक्तं॥ कालवचनं यतं मत्स्यं सर्वयाययथास
 ददातुमं दिङ् (छ) यथा नां सुवि विक्रमः॥ ॥ ॐ निलवनशूर्य
 दानवाक्॥ ॥ कायति सगस्य ग्वल या दानवाक्॥ अक्रुह निया क्रुह या
 रुल॥ संका नी वात्व मा वाऽथा यद्मा स्यां यत्राऽकः॥ अम्वू की नयवा दू
 वी कलणी गर्ह पल्लवं॥ अष्टवीहि समायुक्तं यंचन तं सह मर्कः॥ उखं
 ददनि विप्रुद दक्षिण यथनि मिनि॥ ॐ अ० ॥ ऊजमानस्य यथाऽथा भा०

रुलयाफिकामनार्थं ॥ लङ्कालङ्कसमायुक्तं वर्द्धनियः प्रयच्छति शत्रुनिह
 यायां सर्वं ॥ ध्वजं लङ्कामहीयतः ॥ ॥ ॐ नमः नवग्रहाय ॥ ज्ञानं
 दण्डकलिङ्गकाष्ठयकूलं च विष्णुपान्तिनं सफम्यामधिपं ॥ अग्निह
 कपिलं गृह्णतु यूजा दूतिः ॥ दानं धनं सुधूय कन्दूरं वलिंदयं हवि
 क्रियं मधयं कज्जुगमं लङ्कानं नीमिसदारास्वतः ॥ १ ॥ दत्वा
 खनमं नृधूय ययसा दत्वाग्निनं पिङ्गलं ॥ कयकलिकेरुगजं नमदिव
 सचरुर्द्विकं मधुलं ॥ काष्ठवद्विगं समुद्रदिवसं श्रापयत् ॥ गण्डका

दुरु
यक

रसामसयाद्यालसदूदकालं विवायाकसनकाशायकं दूदकां खल
 हासं वयिवा ॥ १ ॥ किं ग्वकां वरुसियातिद्यालसथनं दूदकां खलहा
 संवयूवा ॥ २ ॥ सामसया मूखलांगरूकालं काकलीषनसिलकाकय
 काखनतिलकाकं अथवा संदलासुज्वसंयारुल्लंषननिसेया
 यलालख ॥ ३ ॥ सामसया दूदसुलडनीमदकालं दूदसुचकालं
 धीधडकाया नलनदूदकाकाग्वरुह्यायिनं यादकस्यनदूदः
 रिनकीविली ॥ ४ ॥ सामसया प्रायरूकालं अयामागजडसलहाखंड

सामसया

६६
खाक

धाल
मा

जगामास, नमनाऊ हा, सखी, थल, थन, तासमरागन, धूपकयकी, गः
लसकूथने, साभं सया, काननादगली ॥ १८ ॥ कालिखानया हा, सूदसः
नखानया हा, साभं सया, मालस, वंसे, नय, दूदूषा, नं, रवा ॥ १९ ॥ सलनः
मिषानम, वलं, वनकं, गुंऊ, यचू, मिषा, सुवां, कं, लाली ॥ २० ॥ यसूदको
याथा, लन, दालं, या, कू, नू, त्रि, नि, या, वन, कं, लालं, रवा ॥ २१ ॥ सलन, वाम
मं, कालं, सें, रवा, कू, दू, क, सि, सु, नि, या, व, वा, या, कू, सु, वा, या, वन, या, न, म
मळ, मन, कं ॥ २२ ॥ अल, दया, हल, या, नि, सु, सा, वनं, हल, दया, धान, न, रवा

महा
राम
६६
मा

याव, काय, लस, थाय, थ, खन, वू, य, कं, वय, क, कू, लाली ॥ २३ ॥ चक, म, त, द
कया, हा, मयू, त्र, णि, वा, त्र, या, हा, ना, स, थ, दं, वा, दं, न, त्या, नं, रवा ॥ २४ ॥ मयू
त्र, णि, वा, त्र, या, हा, रु, नि, या, हा, वल, सि, म, या, हा, ल, कू, म, ना, या, हा, र्णी, रवा, यू
षी, स, त्र, यं, कं, वि, कू, का, ना, स, यी, कि, अं, ऊ, ल, रू, लि, थ, न, था, द, वं, या, व, अ
कू, म, हा, रु, य, या, न, ल, का, य, लं, व, का, रवा, य, कं ॥ २५ ॥ कं, ठा, नं, ऊ, न, मू, त्र,
पि, प, लि, चं, न, कं, ऊ, द, मू, ल, थ, न, लं, व, स, नि, स्यं, त्व, न, कं, थं, कां, व, द, या, रिं
॥ २६ ॥ कू, नि, व, न, म, ल, च, व, लं, व, स, नि, स्यं, त्व, न, कं, नू, ग, ल, यि, सु, या, रिं

नूगयिसूयाः

॥१७॥ महावच संतमलच वालचिन् लंषसनि स्थित्व नक नूगल
 सयिसस स्या कया रि ॥१८॥ यमहा वाल थं ऊगिस रूं स्थित्व नक थ
 न स्या लं रि ॥१९॥ सुऊरु कयि यलि का कलं षस रूं स्थित्व नक वाच
 गुल्म यारि ॥२०॥ अग स्य स्वा न रु ल या नि झा स स थ न वा थ प्राय स
 तालं ॥२१॥ गुगु नू नि म्व रु ल वं रु ल द य का न च्छा सा थ्यं ल थ न
 नाय वालं कू रु य कं चि कू प्राय तालं अ स्ता ङ्ग धू य थ ॥२२॥ अ
 द स या हा अ म्व ल साल य लि थ व दं नू रु ल द स रि च्छि च्छि ना
 चि कू रु धू य ॥२३॥ जलं नी ह वं ग विरु ल १५ का १ न छे १ मा घे ल १

गुल्म
या

अरु
धू

चि
या

न मं स ष ड् का न दा स्थित्व नक थ मं त्रान च्छ मं त्रा दय कं त्व नकं क सि
 मं स ड सा ष न मं स उ वालं त्व नक थो न ऊ ल या ॥२०॥ नाय या नि
 वा मं त्रा दय कं सू च कं क सि मं स ड सा ष ल मं स उ वा न त्व नकं अ
 थ वा मू क दा या नि स न व क सि व सा ष न व वा न त्व नकं वा न थ
 रु छे ष्म यारि ॥२१॥ मू स थो क न ड स ल हा न क च न्द न वा
 ल स थि च्छि च्छि ना न मं स उ थ न का क दा य थ मं त्रान च्छ मं
 त्रा दा य कं त्व नक थै न द न या रि ॥२२॥ स थि ०० ष्म मि दि मं

स० मदनरुलमं स० चूननिमं च्चाकली घमरूं स० त्वनकं पितृ
लमनमो दस्यालं क्लाचकं रिं ॥ २० ॥ दूहियिव वाकिलवयूव
लत्रालं मवयू यं सचायूवचनकिहायू धसा नत्रयनिव ऊलं
नयूयू दू नुषायियू अथेननदूयू अत्रासदूयू यं सचायू थन
सवान् पीतं (छ) घमऊलसिया ॥ २१ ॥ यीतऊनस क्लाचकं दून
सां लू न्यऊवमं स० मदनरुलमं स० दू सनियाव च्चाकली घ
मरूं स० त्वनकं वान् पीतऊलस क्लाचकं ॥ २२ ॥ वाहिनिया

AT 61

[illegible]

संसा नानव नानिधी ऊ ह्यि मां यथ ह्यु मां ४। ४४ नू या वा पि ह
ऊ न न सु मू क स च यो य सु ॥ सा द ह्य दू र्ज या से ह म हि ह
ख ग्नी मा हा मा यी ४। वा मू र्ज मू र्ज मालि णी द वा मा ली (ग
मे ष्य ऊ ॥ द हि द वि न म षि वां नू यं न्द हि ऊ ॥ ४५ द हि ४। ऊ यं
द हि द्वि ख ४३ हि य न न्द हि ध न न्द हि ॥ स च का मां य द हि म
कू कू मं न सु दा ल ख ४। ध्वा न दा नं म हा व लं वी न य य य द
नि र्थ ॥ दू र्ज म हं स न नं ग ति स च मं ग ल मां ग लं ४। सि न स च

ॐ कं यत्रायध्वं मथनित्रमत्रथ

ॐ ॐ दवायनम

द्रुलरुलासम्भ्रयमस्यस्यचुचिकृगच्छिचच्छिगयावसगिकृद्रुनत्वनाः
याधेलच्छागवीर्जआयवीर्जधरुगवीर्जध्वंदासगसंनकत्वनाः

ॐ आयवेसर्व दवसाललकाचोलवस्य आमनायवसठ
रुस्मच्छाखपिकलवचामनीलरुठच्छ(धवास्यावीर्जनवालनकत्वनाः

१ कावृकावायः नाकावमांहरुः हिरययलः हाकुरुलः पावासलः धगलरयस
निस्यपाकः सायास्तथार्यदाउयायाडा ॥ मन्त्रेय्यानीजिउहिनस्याकया

हीसिप्रमाहकन हंसनायनमस्तुन सखायवसठ

प्रखय२

ध्वं पिथसथानस निष्कसंनामकास्थं राषामनुनयुजायाठंनकंठु ॥
१ ॐ कुरुकुरुकुरुवासहंसवपठिहंसवहठिहंसदिगात्रुमिमेनुअवडसविदुग
गाउथनिनत्रनिरुवमिहनिउक्रान॥अनविनहाकयासमुपूगहाकथसयूयसं
स्वरूपनयमानकसिगसाकससदास्यकन ॥ ॥